नाकोड़ा पारसनाथ | By Prabhat Jain

नाकोड़ा पारसनाथ अरज मेरी सुन लीजो
अरज मेरी सुन लीजो हो अरज मेरी सुन लीजो
आये तुम्हारी शरण में हम, शरण में तुम रख लीजो
नाकोड़ा पारसनाथ.....

विपदा कैसी आन पड़ी है तुमको आज पुकारा
मुझको प्रभुवर तेरे चरणों का एक ही है सहारा
आएं तुम्हारे चरणों में हम तो चरणों में तुम रख लीजो
नाकोड़ा पारसनाथ.....

गायें तुम्हारे गीत सदा ही सबको ये समझाएं
दास बना झनकार तुम्हारा छोड़ के कैसे जाएँ
विनती यही है तुमसे प्रभुवर सबकी ही सुन लीजो
नाकोड़ा पारसनाथ.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-by-prabhat-jain/